महत्वपूर्ण एवं खास

राज्य के कृषकों की ऋण माफी के लिए मापदंड तैयार

अल्पकालीन कृषि ऋण माफी योजना-2018 के तहत होगा क्रियान्वयन

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की एक बड़ी आबादी के आय का स्त्रोत कृषि आधारित है। कृषकों द्वारा कृषि कार्य हेतु विभिन्न बैंकों, सहकारी समितियों से अल्पकालीन कृषि ऋण्ध लिया जाता है। प्रदेश में विगत कई सालों से अवर्षा एवं अन्य प्राकृतिक कारणों से फसल की क्षति होती आई है। जिस वजह से किसानों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहं है। प्रदेश के कृषकों द्वारा विभिन्न मंचों के माध्यम से लगातार राज्य सरकार से यह अनुरोध करती आई है कि उनका कृषि ऋण माफ किया जाए। प्रदेश की समग्र परिस्थितियों को देखते हुए यह उचित प्रतीत होता है कि कृषकों के बकाया अल्पकालीन कृषि ऋण माफ कर दिए जाने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा तथा वे बेहतर स्थिति में अपना जीवन यापन कर सकेंगे। अतः कृषकों के व्यापक हित में छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित सहकारी बैंकों एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में समस्त किसानों के दिनांक 30 नवंबर 218 तक का अल्पकालीन कृषि ऋण माफ करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के क्रियान्वयन हेतु निम्नानुसार ऋण माफी योजना निर्धारित की जाती है।

देह व्यापार में संलिप्त दलाल सहित दो पकड़ाए

मंदिर के आड़ में चल रहा था देह व्यापार

जांजगीर चांपा (आरएनएस)। लंबे अरसे से बिर्रा ठाकुरदेव मुहल्ले निवासी जीवनलाल तिवारी पिता ऐतन प्रसाद तिवारी उम्र 54 वर्ष के घर में संदिग्ध लोगों का आना-जाना लगा रहता था जहां बाहर से लड़कियां लाने की जानकारी थी।आज देर शाम उसके घर पर बिर्रा थाना से एस आई नवीन पटेल सदबल सहित पहुंचे जहां देह व्यापार में संलिप्त दो युवक व एक युवती को रंगे हाथ पकड़ा गया। जिसमें युवती बसना सरायपाली ज्योति साहू पति स्व.नारायण साहू उम्र 33 वर्ष, संदिग्ध युवक राकेश थवाईत पिता अर्जुन थवाईत उम्र 40 वर्ष (जांजगीर) व बलराम राठौर पिता दिलीप राठौर उम्र 27 वर्ष (जांजगीर)सहित दलाल जीवनलाल तिवारी को थाना लाया गया। जहां पुछताछ कर उनके विरुद्ध जीवनलाल तिवारी सीआरपीसी धारा 151,वह अन्य तीनों के विरुद्ध सीआरपीसी 109 के तहत् कार्रवाई की गई।

भूपेश के मंत्रिमंडल पर सबकी निगाहें : प्रत्येक संभाग से दो विधायक बन सकते हैं मंत्री

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की आज दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात होनी है। मुलाकात में ही मंत्रिमंडल में गठन को लेकर इसमें शामिल होने वाले संभावित नामों को फाइनल कर लिया जाएगा। इधर यह बात भी सामने आई है कि मंत्रिमंडल में संतुलन बनाए रखने के लिए अब प्रत्येक संभाग से दो वरिष्ठ विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा।

पत्रकार सुरक्षा कानून शीतकालीन सत्र में हो सकता है पेश, ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने के वादे को पूरा करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यभार संभालने के तीसरे दिन ही अधिकारियों को पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून का ड्राफ्ट तैयार करने को कहा। माना जा रहा है कि नई सरकार विधानसभा के पहले ही सत्र में यह कानून ला सकती है। विधानसभा का शीतकालीन सत्र जनवरी में प्रस्तावित है।

उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में, कश्मीर में ठंड का 'चिल्लई कलां' हुआ शुरू

नई दिल्ली। समेत पूरा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। देश की राजधानी में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया जबकि कश्मीर में 40 दिन का भीषण ठंड का मौसम 'चिल्लई कलां' शुरू हो गया है।

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान थोड़ी वृद्धि के साथ 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले बृहस्पतिवार चार डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ इस मौसम का सबसे सर्द दिन रहा। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से तीन डिग्री कम रहा और सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 89 फीसदी दर्ज किया गया। कश्मीर में स्थानीय भाषा में ''चिल्लई कलां'' कहलाने वाली, 40 दिन की सर्वाधिक भीषण ठंड शुक्रवार को शुष्क मौसम के साथ शुरू हो गयी। घाटी एवं लद्दाख क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप जारी है।

अब स्कूल खुलने का टाइम टेबल बदल दिया गया है आदेश जारी

रायपुर। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी प्राचार्य/ प्रधान पाठकों/ शासकीय/ अशासकीय/ अनुदान प्राप्त उच्चतर माध्यमिक शाला/हाई स्कूल /पूर्व माध्यमिक शाला/ प्राथमिक शाला जिला रायपुर को पत्र जारी किया गया है जिसमें अत्यधिक ठंड पड़ने के कारण सारा समय में परिवर्तन की सूचना दी गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विभिन्न पालकों द्वारा अवगत कराया गया है कि जिले में अत्यधिक ठंड पड़ने के कारण छात्राओं को सुबह 7 बजे शाला भेजने में परेशानी हो रही है।

क्रिसमस के साथ स्कूलों में शीतकालीन की छुट्टियां

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में 25 तारीख क्रिसमस के साथ स्कूलों में शीतकालीन की छुट्टियां भी लग रही है। हालांकि शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में जारी निर्देश के अनुसार शासकीय स्कूलों में 24 तारीख से 27 दिसंबर तक अवकाश घोषित किया गया, जबकि निजी स्कूलों में क्रिसमस के दिन से छुट्टियां दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में हर साल दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में शीतकालीन की छुट्टियां लगती है। इस बार भी क्रिसमस के साथ शीतकालीन की छुट्टियां लग रही है।

दिनदहाड़े तीन युवकों ने नेपाली युवक की चाकू मारकर की हत्या

रायपुर। गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर में दिनदहाड़े तीन युवकों ने एक युवक की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार मृतक कृष्णा नेपाली (22) मूलतः नेपाल निवासी था। वह दो माह पहले ही काम करने के लिए रायपुर आया था और गुढ़ियारी क्षेत्र के कृष्णा नगर में किराए से रहता था।

बताया जाता है कि आज दोपहर करीब तीन बजे तीन अज्ञात युवकों ने कृष्णा पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किया और वहां से भाग निकले। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कृष्णा को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्राचार्य ने की शासकीय आदेश की अवहेलना

राजनांदगांव (आरएनएस)। स्थानीय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. आर एन. सिंह द्वारा शासकीय आदेश का खुल्लम खुल्ला अवहेलना किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर रायपुर द्वारा पत्र क्रमांक एक 1-14/2018/ 38-1 दिनांक 5-10-2018 के तहत् डॉ. शंकर मुनी राय सहायक प्रध्यापक हिन्दी, डॉ. चंद्रिका नथवानी सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, बी. एल कश्यप सहायक प्राध्यापक समाज शास्त्र, डॉ. एच. एस. भाटिया सहायक प्राध्यापक इन सभी का प्रशासनिक ट्रांसफर शासकीय नवीन महाविद्यालय औंधी जिला राजनांदगांव में किया गया है अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा नवीन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के जीवन में नवज्योति जलाने आदिवासी क्षेत्रों में सही मार्ग दर्शन देने हेतु शासन ने इनको भेजा है लेकिन प्राचार्य द्वारा अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर उक्त प्राध्यापकों को कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा है।

शासकीय डायरी-कैलेंडर की छपाई पर रोक

रायपुर (आरएनएस)। राज्य की वित्तीय स्थिति को दुरुस्त करने कांग्रेस सरकार ने कवायद शुरू कर दी है। फिजूल खर्चों पर पहले से ही रोक लगाने का निर्देश जारी हो चुका है। अब विभागों की ओर से छपने वाले डायरी और कैलेंडरों की छपाई आदि पर ही रोक लगा दिया गया है।

विभागों की उपलब्धियों से भरी रंगीन चमकदार कैलेंडर इस बार लोगों को देखने को भी नहीं मिलेगी। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों को मिलने वाले शासकीय डायरी भी इस बार नहीं छपेगी। राज्य सरकार ने वित्तीय स्थिति दुरस्त करने के लिए नया फार्मूला अपनाया है। इसके तहत राज्य सरकार ने अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। यही वजह है कि नववर्ष के उपलक्ष्य में छपने वाली विभागीय डायरी और कैलेंडर इस बार नहीं छपेगी। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से राज्य शासन के सभी विभागों को यह पत्र जारी कर दिया गया है कि वर्ष 2019 के लिए विभाग, निगमों, मंडलों, आयोगों की ओर से छपने वाले डायरी और कैलेंडर नहीं छपेगा। केवल पर्यटन मंडल को इस आदेश से पृथक रखा गया है।

डीजीपी डीएम अवस्थी ने मामलों की जांच जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त डीजीपी डीएम अवस्थी ने शुक्रवार को ईओडब्ल्यू और एसीबी अधिकारियों की बैठक ली। पुराने पुलिस मुख्यालय में बुलाई गई इस्बैठक में उन्होंने पुराने लंबित मामलों की जानकारी ली। साथ ही अधिकारों का दुरुपयोग करने वाले अफसरों की भी रिपोर्ट ली। उन्होंने लंबित मामलों की जांच जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। डीजीपी का प्रभार लेने के बाद डीएम अवस्थी ने ईओडब्ल्यू और एसीबी अधिकारियों की

पहली बैठक ली। बता दें कि डीजीपी डी एम अवस्थी का वर्किंग स्टाइल अन्य अधिकारियों से अलग माना जाता है। बैठक में मूल रूप से लंबित मामले जैसे खाद्य अधिकारी दयामणि मिंज, वन विभाग के अधिकारी बढ़ाईया और महासमुंद में पकड़े गए आबकारी अधिकारी समेत ढेरों लंबित मामले हैं जिनकी रिपोर्ट उन्होंने ली। इसके अलावा बैठक में ईओडब्ल्यू और एसीबी के अधिकारियों को काम कसावट लाने के लिए निर्देश दिए। बैठक के बाद डीजीपी ने लोगों को संदेश दिया कि किसी अधिकारी के खिलाफ सही शिकायत हो तो मुझसे करें। शिकायत सही पाए जाने पर मैं खुद कार्रवाई करूंगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कसावट लाने सर्कुलर जारी होगा।

दूसरे की जमीन को अपना बताकर सौदा करने वाला गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। दूसरे की जमीन को अपना बताकर उसका सौदा करने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में गुढ़ियारी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी बुधराम टंडन गुढ़ियारी क्षेत्र का रहने वाला है। मोहल्ले में ही रहने वाला प्रार्थी पंकज शर्मा ने बुधराम के समक्ष जमीन खरीदने की मंशा जताई।

जिसके बाद आरोपी ने पंकज को बताया कि उसकी गोगांव में जमीन है जिसे वो बेचना चाहता है। बुधराम की बातों में आकर पंकज ने उक्त जमीन देखी और पसंद आने पर उसका सौदा करते हुए बतौर बयाना उसे 4 लाख रूपये का इकरारनामा कराया। जमीन का सौदा होने के बाद पंकज ने जब जमीन की रजिस्ट्री के बुधराम से दोबारा संपर्क किया तो वह इसके लिए आनाकानी करने लगा। इसके बाद पंकज ने जब जमीन के बारे में पतासाजी की तो उसके होश उड़ गए। उक्त जमीन किसी जागेश्वर नामक व्यक्ति के नाम पर निकली।

सर्दियों में इसलिए बढ़ जाता है डिप्रेशन, ऐसे करें दूर

सर्दियों को डिप्रेशन बढ़ाने वाला मौसम भी कहा जाता है। इस मौसमी डिप्रेशन को सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर यानी एसडी भी कहते हैं। सर्दियों के दिन आपका मूड डल करने वाले होते हैं। अगर आपको अक्सर तनाव की समस्या रहती है तो सर्दियां आते ही आपकी ये समस्या बढ़ सकती है। इस मौसम में अवसाद, तनाव और डिप्रेशन बढ़ने के कुछ खास कारण भी हैं। क्या हैं वे कारण और इससे कैसे बच सकते हैं जानें...

सर्दियों में क्यों हो जाते हैं आप दुखी

अगर आपको भी ऐसा लगता है कि सर्दियां आते ही आप दुखी हो जाते हैं तो ऐसा फील करने वाले आप अकेले नहीं हैं। बल्कि इस मौसम में 40 फीसदी महिलाओं को ऐसी समस्या होती है। यह पता चला है हाल ही में आए एक मेडिकल सर्वे से। साइकॉलजिस्ट डॉक्टर अजय तनेजा कहते हैं कि जीवन में सब कुछ ठीक-ठाक है, इसके बावजूद भी आप दुखी हैं तो आप सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर यानी एसडी की गिरफ्त में हैं। सीनियर कंसल्टेंट और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. पवन कुमार कहते हैं कि सर्दियों के मौसम में कुछ लोग उदासीन हो जाते हैं और यह होता है धूप की रोशनी प्रॉपर न मिल पाने की वजह से। इसे रोजाना एक्सर्साइज और सूरज की रोशनी में बैठने से कंट्रोल किया जा सकता है।

थकान भी होती है वजह

सर्दियों में दिन छोटे और रातें बड़ी हो जाती हैं और आपके जागने और सोने का चक्र गड़बड़ा जाता है, जिससे थकान होती है। सर्दियों में सूरज की रोशनी कम होने का अर्थ है कि आपका मस्तिष्क ज्यादा मात्रा में मेलैटोनिन हॉर्मोन बना रहा है, जो आपको उनींदा बनाता है, क्योंकि इस स्लीप हॉर्मोन का सीधा संबंध रोशनी और अंधेरे से होता है। सर्दियों में जब सूरज जल्दी छिप जाता है तो हमारा मस्तिष्क मेलैटोनिन बनाने लगता है, जिससे सांझ ढलते ही हमारा सोने का मन करता है और हम जल्दी बिस्तर में जाना चाहते हैं। सर्दियों में हमारी शारीरिक सक्रियता भी थोड़ी कम हो जाती है। हम थका-थका सा महसूस करते हैं। कभी-कभी यह थकावट और आलस गंभीर विंटर डिप्रेशन का संकेत भी हो सकती है।

सामान्य लक्षण

थकान, सिर में दर्द रहना, आलस, काम में मन न लग पाना, अकेलापन, बैचेन रहना और छोटी बातों को लेकर तनाव में आ जाना- यह सब मौसमी तनाव यानी सीजनल डिप्रेशन के सामान्य लक्षण हैं।

ऐसे करें डिप्रेशन दूर

- खाने में न्यूट्रिशंस शामिल करें।
- ऐसी चीजें करें, जो आपको खुशी दे।
- संगीत सुनें, किताबें पढ़ें और सिनेमा देखें।
- एक्सर्साइज करें ताकि मूड बदलने में मदद मिल सके।
- इस मौसम से जुड़ी चीजों की शॉपिंग करें।
-दोस्तों के साथ वक्त बिताएं, परिवार के लोगों के बीच रहें।
- अकेले कमरे में बंद ना रहें।
- मन में नकारात्मक विचार ना आने दें।

इन वास्तुटिप्स को ध्यान में रखकर दीवार पर लटकाएं साल 2019 का कैलेंडर

नया साल जल्द ही आने वाला है, साल 2019 की शुरूआत होते ही 2018 का कैलेंडर पुराना हो जाएगा और नया कैलेंडर दीवार पर लटकाया जाएगा। आपको बता दें कि दीवार पर कैलेंडर को लटकाते समय कुछ खास वास्तुटिप्स को ध्यान में रखना आवश्यक होता है। ये वास्तुटिप्स कौनसे हैं आइए आपको बताते हैं इनके बारे में...

अगर आप चाहते हैं कि आपके

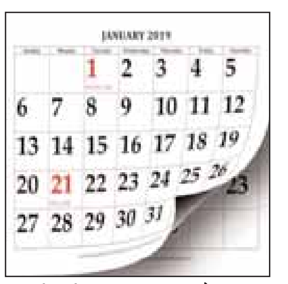

घर में पूरे साल सुख और शांति बनी रहे तो घर की उत्तर, पूर्व और पश्चिम दिशा में नए साल का कैलेंडर लगाएं। वास्तुशास्त्र के अनुसार इन दिशाओं में कैलेंडर लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार नया कैलेंडर घर की दक्षिण दिशा में नहीं लटकाना चाहिए क्योंकि अगर इस दिशा में कैलेंडर लगाया जाए तो घर की सुख-समृद्धि में कमी आती है। नया कैलेंडर दीवार पर लगाते समय ये ध्यान में रखें कि उसमें किसी जानवर की या उदासी भरी तस्वीर न हो क्योंकि इस तरह के कैलेंडर को वास्तु में सही नहीं माना जाता है और इस तरह के कैलेंडर लगाने से घर में वास्तुदोष उत्पन्न होता है जो अनेक परेशानियों का कारण बनता है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वे दरवाजे के आगे या पीछे कैलेंडर लटका लेते हैं आपको बता दें कि ऐसा करना वास्तुशास्त्र में सही नहीं माना जाता है और इससे परिवार के सदस्यों की आयु कम होती है। इसी कारण दरवाजे पर नए साल का कैलेंडर लगाने से बचें।

ऋषि कपूर ने मुझे ईमानदारी सिखाई : अनिरुद्ध

अभिनेता अनिरुद्ध तंवर ने राजमा चावल के सह-कलाकार ऋषि कपूर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक शानदार और ईमानदार व्यक्ति हैं।

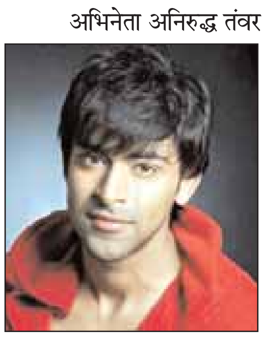

अनिरुद्ध ने कहा, उनसे मिलने से पहले, उनके बारे में मेरे अलग विचार थे क्योंकि मैंने अलग-अलग स्त्रोतों से उनके बारे में कई कहानियां सुनी थीं। मुझे लगता था कि उनका अपना एक अलग दायरा होगा जिसमें आने की वह लोगों को अनुमति नहीं देते, लेकिन जब मैं उनसे मिला तो मैंने उन्हें बेहद गर्मजोशी भरा पाया।

शादी की प्लानिंग करना मुश्किल : कैटरीना

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का कहना है कि शादी की अभी प्लानिंग करना मुश्किल है। हाल के समय में दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा की शादी हुयी है। कैटरीना कैफ से जब पूछा गया कि वह शादी कब करने वाली हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि शादी को लेकर हर कोई उनसे ये सवाल कर रहा है। लेकिन उनका मानना है कि इसे प्लान करना बहुत मुश्किल है।

कैटरीना ने कहा कि ये संभव नहीं है कि आप इंटरनेट पर गए और आपने बटन प्रेस किया और अचानक आपको कोई मिल गया। ये इस तरह नहीं होता। मुझे लगता है कि इन चीजों को वक्त पर छोड़ देना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप सही इंसान की तलाश वहां भी कर सकती हैं तो करें। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इन चीजों की प्लानिंग हो सकती है। मुझे लगता है कि जो होना है तो खुद ब खुद हो जाएगा। कई बार ऐसा होता है कि हम जिस तरह से चीजों को प्लान करते हैं उस तरह से चीजें हो नहीं पाती हैं या उस तरह से वर्क नहीं कर पाती हैं। लेकिन कभी-कभी कोई नहीं जानता बिना प्लान के भी चीजें हो जाती हैं।

लोग मुझे टीवी की देसी गर्ल कहते हैं : शुभांगी

टेलीविजन धारावाहिक भाबीजी घर पर है की मशहूर अंगूरी भाभी शुभांगी अत्रे का कहना है कि उन्हें प्रशंसक टेलीविजन की देसी गर्ल कहते हैं क्योंकि उन्होंने ज्यादातर संस्कारी भूमिकाएं ही निभाई हैं।

शुभांगी ने कहा, मैंने हमेशा अपने शो में मुख्य किरदार निभाए हैं और टेलीविजन पर ज्यादातर मुख्य किरदार अच्छे और अनुशासित होते हैं, जो हमेशा भारतीय पोशाक में नजर आते हैं, इसलिए हमेशा लोग मुझे टीवी की देसी गर्ल कहते हैं, लेकिन अब मेरा दूसरा पक्ष भी पेश करने का समय आ गया है।

अभिनेत्री इससे पहले कस्तूरी और अधूरी कहानी हमारी जैसे टेलीविजन धारावाहिकों में नजर आ चुकी हैं।